पुलिस स्मृति दिवस

2018

21 अक्टूबर 2018

बलिदानी–गाथा

स्मृति दिवस मनाती क्यों है पुलिस, आइये मनन करें ।
अपने वीर शहीदों को हम शीश झुकाकर नमन करें ।।

अक्टूबर 21 और सन् उन्सठ का दिन था काला ।
रिपु ने हिन्दी–चीनी भाई नारे को मृत कर डाला ।।
वह लद्दाख क्षेत्र था जिसमें अपने सैनिक डटे हुए।
ऊंचे पर्वत शिखरों पर सीमा रक्षा में अटे हुए ।।
धोखेबाज चीन की सेना ने था सबको घेर लिया।
लड़े सीआरपी वाले सैनिक फिर अपना बलिदान दिया।।

ऐसी बलिदानी–गाथा को हम सब मिलकर श्रवण करें।
अपने वीर शहीदों को हम शीश झुकाकर नमन करें ।।

बेगराज, मंजीत सुबा, शिवनाथ और नुरबू लामा ।
धर्म सिंह, शेरिंग नुरबू ने अरि को बढ़ने से थामा ।।
पूरन सिंह, ईमान सिंह भी मोर्चे पर थे रहे डटे ।
माखन लाल व श्रवण दास भी तिल भर पीछे नहीं हटे ।
साधारण शस्त्रों से डटकर दुश्मन को संदेश दिया ।
दसों जवानों ने निज खूँ से भारत माँ का तिलक किया ।।

इन्ही जवानों से प्रेरित हो इनका हम स्मरण करें ।
अपने वीर शहीदों को हम शीश झुकाकर नमन करें ।।

जहाँ हुए शहीद बलिदानी वहाँ बना स्मारक है ।
बलिदानी–गाथा का प्रेरक देशभक्ति का कारक है ।।
सभी प्रान्त से शीश झुकाने पुलिस यहाँ पर आती है।
और केन्द्र के सभी बलों की दिखती पावन झाँकी है ।।
रण में शीश कटाने वाली भारत की परिपाटी को ।
नमन शहीदों तुम्हें देश का, नमन देश की माटी को ।।

संकट कभी देश पर आये हम भी तन–मन हवन करें ।
अपने वीर शहीदों को हम शीश झुकाकर नमन करें ।।

अशोक पाण्डेय 'अनहद'
आरक्षी, डीजीपी मुख्यालय,
उ0प्र0, लखनऊ

पुलिस स्मृति दिवस

2018

21 अक्टूबर, 2018

राम नाईक
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ–226 027
12 अक्टूबर, 2018

संदेश

'पुलिस स्मृति दिवस–2018' 21 अक्टूबर के पावन अवसर पर प्रदेश के उन शहीद पुलिसजनों को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज एवं प्रदेश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को बलिदान कर दिया है।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल जनसंख्या वाले राज्य में निःसन्देह पुलिस का कार्य चुनौती भरा है। वस्तुतः अपराध नियंत्रण एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें न केवल निरन्तर सजगता व सतर्कता बरतनी होती है, अपितु प्रत्येक पल नई चुनौतियों का सामना भी करना होता है। विगत एक वर्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस बल के 67 वीर सपूतों ने अपने प्राण बलिदान किये हैं। सभी शहीदों का मैं पुनः शत्–शत् नमन करता हूँ। मुझे विश्वास है कि 'पावन स्मृति' पुस्तिका में ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी का समावेश किया जाएगा, जो पुलिस विभाग के साथ ही सभी के लिए उपयोगी होगी।

पुस्तिका 'पावन स्मृति' के सफल प्रकाशन के लिए मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(राम नाईक)

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

दिनांक : 16 अक्टूबर, 2018

संदेश

मुझे अवगत कराया गया है कि **'पुलिस स्मृति दिवस–2018'** के पुनीत अवसर पर समाज व राष्ट्र की रक्षा करते हुए कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद पुलिसजनों की पावन स्मृति में एक पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

एक पुलिसकर्मी का जीवन सामाजिक, समर्पण, संवेदनशीलता और अपने उच्चतर स्वरूप में त्याग का अप्रतिम उदाहरण है। देश की आंतरिक सुरक्षा के ताने–बाने को अक्षुण्ण रखने और समाज को विधिसम्मत रूप से गतिशील रखने में पुलिस की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। अपनी इस भूमिका का निर्वहन पुलिस द्वारा उच्चतर अनुशासन का प्रदर्शन करते हुए किया जाता है।

उत्तर प्रदेश का पुलिस बल एकल कमान के अन्तर्गत विश्व का सबसे बड़ा पुलिस संगठन है। एक विशाल भू–भाग की विविधतापूर्ण आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने विधि और कानून–व्यवस्था को दृढ़तापूर्वक संभाला है। हमारे संविधान में 'विधि का शासन' की जिस उच्चतर संकल्पना का समावेश है, पुलिस द्वारा उसे अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करके मूर्तरूप प्रदान किया जाता है। पुलिस बल के हमारे जवान इस कार्य में अपने प्राणों की आहुति देने में भी नहीं हिचकते हैं।

किसी भी चुनौती से विचलित हुए बिना प्रदेश पुलिस के जिन 67

वीर जवानों ने विगत एक वर्ष में कर्तव्यपथ पर अपना जीवन–सुमन अर्पित कर बलिदान की महान परम्परा का वरण किया है, उनके शौर्य, पराक्रम तथा बलिदान को मैं हृदय से नमन करता हूँ।

इस अवसर पर मैं शहीद हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों को आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश सरकार शहीद पुलिसकर्मियों की स्मृतियों को जीवित रखेगी एवं उनके परिजनों के कल्याण हेतु सदैव तत्पर रहेगी।

(योगी आदित्यनाथ)

ओ0पी0 सिंह
आई.पी.एस.

पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश
1– तिलक मार्ग, लखनऊ
फोन नं.–0522–2206104,
फैक्स नं. 2206120
सीयूजी नं. 9454400101
ई–मेल– police.up@nic.in
वेबसाइट : https://uppolice.gov.in

दिनांक : 15 अक्टूबर, 2018

श्रद्धांजलि

प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को हमारे देश के प्रत्येक पुलिस बल द्वारा **'पुलिस स्मृति दिवस'** मनाया जाता है। पुलिस स्मृति दिवस अपने कर्तव्यपालन में संवेदनशीलता, समर्पण और बलिदान का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत करने वाले शहीद पुलिस कार्मिकों की स्मृति में आयोजित किया जाता है। इस दिन हम उन वीर शहीद पुलिसजनों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने राष्ट्र व समाज की रक्षा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्राणों की आहुति दी है।

यह ऐतिहासिक शौर्यगाथा 59 वर्ष पुरानी है जब 21 अक्टूबर 1959 को भारत की उत्तरी सीमा पर लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के दस जवान नियमित गश्त पर निकले थे। स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में घात लगाकर अचानक गश्ती दल पर हमला कर दिया। अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये साधारण शस्त्रों से सुसज्जित होने के बावजूद पुलिस दल की टुकड़ी ने चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला किया। अप्रतिम वीरता का परिचय देते हुए केन्द्रीय पुलिस बल के इन 10 बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इन्हीं वीर जवानों के बलिदान को स्मरण करते हुए कर्तव्यपथ पर प्राणोत्सर्ग करने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु पुलिस स्मृति दिवस मनाने की परम्परा प्रचलित है।

01 सितम्बर 2017 से 31 अगस्त 2018 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत वर्ष में कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों का बलिदान करने वाले 414 कार्मिकों में उत्तर प्रदेश के 67 पुलिसजन सम्मिलित हैं। इनमें उपनिरीक्षक–05, सहायक उपनिरीक्षक(एम)–01, मुख्य आरक्षी–18, लीडिंग फायरमैन–01, आरक्षी चालक–02 व आरक्षी–40 हैं। कर्त्तव्यपालन में आत्म बलिदान करने वाले इन वीरों के पराक्रम से प्रदेश का सम्पूर्ण पुलिस बल गौरवान्वित है।

हमारे पुलिस कर्मियों का यह बलिदान उनकी सच्ची समर्पण भावना एवं कर्तव्य परायणता का द्योतक है तथा कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति उनकी संकल्पबद्धता को प्रतिबिम्बित करता है। इन वीर पुलिस कर्मियों का त्याग एवं बलिदान राष्ट्रसेवा का अद्वितीय उदाहरण बनकर हमारी भावी पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

इस पुनीत अवसर पर मैं प्रदेश पुलिस की ओर से इन वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। मैं उनके परिवार को आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश पुलिस सदैव उनके साथ है।

(ओ0पी0 सिंह)

पुलिस स्मृति दिवस–2018
समय–सारणी

1.	मार्का	प्रातः **8.00 बजे**
2.	परेड फाल इन	प्रातः **8.05 बजे**
3.	सैन्य सहायक को परेड का हस्तान्तरण (चार्ज देना)	प्रातः **8.10 बजे**
4.	परेड कमाण्डर को परेड का हस्तान्तरण (चार्ज देना)	प्रातः **8.15 बजे**
5.	पुलिस महानिदेशक का आगमन एवं सलामी	प्रातः **8.20 बजे**
6.	**मा. मुख्यमंत्री जी का आगमन एवं सलामी**	प्रातः **8.25 बजे**
7.	शहीद पुस्तिका का लाया जाना और पुलिस महानिदेशक के माध्यम से मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा मंच पर प्रस्थापित किया जाना तथा पुलिस महानिदेशक द्वारा श्रद्धांजलि अर्पण एवं शहीदों/मृत पुलिसजनों के नामों का पढ़ा जाना, तत्पश्चात् पुस्तिका वापस वाहक को प्रदान किया जाना और शहीद स्मारक तक ले जाया जाना	**8.31 बजे से** प्रातः **8.55 बजे तक**
8.	मा. मुख्यमंत्री जी, पुलिस महानिदेशक एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुष्पचक्र (रीथ) अर्पण	प्रातः **8.55 बजे से 9.05 बजे तक**
9.	शहीदों को सलामी एवं शोक प्रदर्शन तथा लास्ट पोस्ट	प्रातः **9.07 बजे से 9.09 बजे तक**
10.	मा. मुख्यमंत्री जी एवं पुलिस महानिदेशक की मंच पर वापसी	प्रातः **9.09 बजे**
11.	मा. मुख्यमंत्री जी का उद्‌बोधन	प्रातः **9.10 बजे से**
12.	परेड समाप्त (मा. मुख्यमंत्री जी के उद्‌बोधन के उपरान्त)	

21 अक्टूबर सन् 1959 को भारत की उत्तरी सीमा की रक्षा करते हुए शहीद होने वाले वीर जवानों की सूची

1.	सी.टी.	ईमान सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
2.	सी.टी.	पूरन सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
3.	सी.टी.	नुरबू लामा	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
4.	सी.टी.	बेगराज	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
5.	सी.टी.	माखनलाल	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
6.	सी.टी.	शिवनाथ	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
7.	सी.टी.	मनजीत सुबा	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
8.	सी.टी	धरम सिंह	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
9.	सी.टी.	श्रवण दास	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
10.	सी.टी.	शेरिंग नुरबू	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.

पुलिस स्मृति दिवस–2018

जनसेवा का उच्च आदर्श हृदयंगम किये अनेकों पुलिस जन प्रति वर्ष कर्तव्यपथ का अनुगमन करते हुये वीरगति को प्राप्त होते रहे हैं। पुलिस जनों के कार्य की प्रकृति ही कुछ ऐसी है कि इसमें कदम–कदम पर जोखिम व जीवनभय सन्निहित है यही कारण है कि प्रतिवर्ष अपने कार्यों को अंजाम देने की प्रक्रिया में पुलिस कर्मी बड़ी संख्या में कर्तव्य की बलिवेदी पर अपनी प्राणाहुतियां देते रहे हैं। अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये जन सेवा के उच्च आदर्श की प्राप्ति में मर–मिटने से भी गुरेज न करने वाले ये पुलिस जन मर कर भी अमर हो जाते हैं। इनकी कीर्ति व यशोगाथा समय के साथ क्षरित नहीं होती अपितु अविरल अनुप्राणित करती रहती है। पुलिस की भावी संततियों को उसी पथ पर द्विगुणित साहस व मनोयोग से आगे बढ़ने के लिये ऐसी एक गाथा आज से उनसठ वर्ष पुरानी है ।

भारत की उत्तरी सीमा, लद्दाख का जनहीन क्षेत्र 15,000 फिट से ऊंचे बर्फ से ढके पर्वतों, दर्रों के बीच जहां कि सामान्य नागरिक सुविधाओं के उपलब्ध होने की कल्पना तक नहीं की जा सकती, वहां सदैव की भांति उस दिन भी देश की सीमा के सजग प्रहरी ''केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल'' के जवान अपने नियमित गश्त पर निकले थे। गश्त के दौरान अचानक उन्हें लगा कि वे शत्रु से घिर चुके हैं। चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में आकर हमारे ही सिपाहियों को पकड़ने के लिये एम्बुश लगाया था। चीनियों ने दावा किया कि वह क्षेत्र उनका है पर भारतीय पुलिस के जवान, जो कि अपने परिजनों को छोड़ सुख–सुविधा से दूर उस निर्जन क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा का प्रण लेकर आये थे, अपनी मातृभूमि का एक इंच टुकड़ा भी शत्रु को कैसे सौंप देते। प्राण देकर भी मातृभूमि की रक्षा करने की भारतीय बहादुरों की परम्परा पर उन्होंने आंच नहीं आने दी तथा साधारण शस्त्रों के सहारे ही ये जवान स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनी सैनिकों से भिड़ गये। इस प्रकार भारतीय पुलिस के दस बहादुर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी ।

इस घटना का समाचार पाकर सारा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। 21 अक्टूबर, 1959 का यह दिन हमारे जवानों की प्रेरणा का एक अनन्य श्रोत बन गया। मातृभूमि की रक्षा के लिये प्राणों का भी उत्सर्ग कर देने वाले बहादुरों का बलिदान सदैव हमें अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। इन्हीं वीर जवानों की याद में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को सम्पूर्ण भारत के पुलिस जन वीरगति को प्राप्त हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ''शत्–शत् नमन'' उन बहादुरों को जिनके लिये कर्तव्य पालन प्राणों से भी अधिक प्रिय रहा ।

दिनांक 01 सितम्बर 2017 से 31 अगस्त 2018 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत में 414 पुलिसजनों द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपनी जीवनाहुतियां दी गई है, जिसमें आंध्रप्रदेश–06, अण्डमान निकोबार–01 आसाम–02, बिहार–10, छत्तीसगढ़–25, दिल्ली–13, गुजरात–01, हरियाणा–02, जम्मू कश्मीर–46, झारखण्ड–07, कर्नाटक–15, केरल–06, मध्य प्रदेश–08, महाराष्ट्र–03, मणिपुर–03, मेघालय–01, ओडीशा–01, राजस्थान–01, सिक्किम–01, तमिलनाडु–02, तेलंगाना–02, त्रिपुरा–01 उत्तराखण्ड–02, पश्चिम बंगाल–18, आसाम राइफल–08 बीएसएफ–42, सीआईएसएफ–09, सीआरपीएफ–27, एफएस,सीडी एवं एचजी–20, आईटीबीपी–34, एनसीबी–01, एनडीआरएफ–03 आरपीएफ–25 एवं एसएसबी–01 जवान सम्मिलित हैं। इनके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के पुलिस उपनिरीक्षक–05, सहायक उपनिरीक्षक(एम)–01, मुख्य आरक्षी–18, लीडिंग फायरमैन–01, आरक्षी चालक–02 व आरक्षी–40 इस प्रकार कुल–67 पुलिसजन सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिसजन इनके महान कर्तव्यपालन व अप्रतिम बलिदान की सराहना में नतमस्तक हैं और अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

●●●

दिनांक 01.09.2017 से 31.08.2018 तक की अवधि में कर्तव्यपथ पर शहीद हुए पुलिस कर्मियों की शौर्य गाथा से सम्बन्धित प्रमुख घटनायें

1. स्व0 श्री अंकित तोमर, आरक्षी–112072458, जनपद–शामली

अंकित तोमर

दिनांकः 02.01.18 को पुलिस अधीक्षक शामली मय चालक के जनपद थाना कैराना क्षेत्र में भ्रमण पर थे। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुयी कि ग्राम जन्धेड़ी का पुलिस कस्टडी से फरार इनामी अपराधी साबिर पुत्र हाशिम अन्य दो साथियों के साथ अपने घर के दो मंजिला कमरे में मौजूद है। इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक ने तत्काल अपराधी के घर के पास पहुँचकर उपलब्ध पुलिस बल की तीन पार्टियां बनायीं। प्रथम टीम का नेतृत्व थानाध्यक्ष झिंझाना को मय फोर्स के सौंपा। श्री अंकित तोमर इसी टीम में शामिल हुये। इस टीम को अपराधी के मकान की उत्तरी दीवार की ओर से चढ़कर छतों को कवर करने हेतु लगाया गया। मुख्य गेट के सामने श्री सुनील शर्मा उ0नि0 को मय फोर्स के लगाया गया। कब्रिस्तान की तरफ मकान की उत्तरी दीवार के सहारे पुलिस अधीक्षक स्वयं मय फोर्स के मोर्चा लेकर घेराबन्दी कर खड़े हो गये। मकान की घेराबन्दी के बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा मुख्य गेट पर लगी पुलिस पार्टी से दरवाजे खुलवाने के लिये दरवाजा खटखटाया। उसी समय ऊपर बने कमरे का दरवाजा खुला और एक व्यक्ति ने सामने खड़े पुलिस कर्मियों को देखकर जान से मारने की नियत से फायर करना शुरू कर दिया। पुलिस अधीक्षक द्वारा चेतावनी दी गयी, किन्तु अपराधियों ने इसकी कोई परवाह नहीं

की। अन्य कोई रास्ता न देख इस बीच आरक्षी अंकित तोमर साहस का परिचय देते हुए अपनी ए0के0–47 रायफल से जवाबी फायर करते हुए कमरे के अन्दर घुसे। कमरे में मौजूद बदमाशों ने उनके सिर पर गोली मार दी। इससे वह घायल होकर गिर गये। इन्हें उपचार हेतु तत्काल हास्पिटल भेजा गया जहाँ चिकित्सकों द्वारा इन्हें मृत घोषित कर दिया गया ।

इस प्रकार श्री अंकित तोमर, आरक्षी द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दे दी गयी।

2. स्व0 श्री रामवृक्ष सिंह, मु0आ0–840690775, 34वीं वाहिनी, पीएसी, वाराणसी।

रामवृक्ष सिंह

दिनांक 16.02.18 को पोस्ट रामनगर किला पर व्यवस्थापित पीएसी वाहिनी के 'एच' दल में नियुक्त मु0आ0 शिवप्रसाद पाल मेस की खाद्य सामग्री क्रय करने हेतु अपने सहयोग में मु0आ0 रामवृक्ष सिंह को लेकर समय लगभग 1400 बजे बाजार जा रहे थे। किले के मुख्य द्वार के बांये तरफ विपरीत दिशा से आ रहे मोटर साइकिल सवार युवकों ने इनके पैर पर मोटर साइकिल चढ़ा दी। दोनों मुख्य आरक्षियों के विरोध करने पर घटनास्थल के समीप स्थित दुकानदारों के साथ मिलकर उक्त दोनों युवक मार–पीट करने लगे। दोनों मुख्य आरक्षी अपना बचाव कर रहे थे कि तभी एक व्यक्ति ने दुकान पर रखे लोहे के स्टूल से जान से मारने की नीयत से मु0आ0 रामवृक्ष सिंह के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया। इससे वह लहू–लुहान होकर गिर गये। दल के कर्मियों द्वारा इन्हें तत्काल हास्पिटल ले जाया गया। जहाँ उपचार के दौरान दिनांक 21.02.18 को इनकी मृत्यु हो गयी ।

इस प्रकार श्री रामवृक्ष सिंह, मु0आ0 द्वारा कर्तव्यपथ पर प्राणोत्सर्ग किया गया।

3. (1) स्व0 श्री दीपक कुमार, आरक्षी ना0पु0–152141330, जनपद–बिजनौर।

(2) स्व0 श्री बृजेश मिश्रा, आरक्षी उ0प्र0–132120254 जनपद– बिजनौर।

दीपक कुमार

बृजेश मिश्रा

श्री दीपक कुमार आरक्षी एवं श्री बृजेश मिश्रा आरक्षी पुलिस लाइन बिजनौर की ड्यूटी मा0 विधायक नूरपुर की सुरक्षा हेतु लगायी गयी थी। दिनांक 21.02.18 को फॉरच्यूनर कार से मा0 विधायक, आरक्षी दीपक कुमार, आरक्षी बृजेश मिश्रा, एक पार्टी कार्यकर्ता एवं वाहन चालक लखनऊ जा रहे थे। समय लगभग 0500 बजे मा0 विधायक जी थाना कमलापुर अन्तर्गत ग्राम कैकैया पारा के पास पहुँचे। इसी समय विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाते हुए मा0 विधायक के वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। इस कारण वाहन काफी दूर तक घिसटता चला गया। इस दुर्घटना में श्री दीपक कुमार आरक्षी एवं श्री बृजेश मिश्रा आरक्षी की मृत्यु हो गयी ।

इस प्रकार श्री दीपक कुमार आरक्षी एवं श्री बृजेश मिश्रा आरक्षी द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दे दी गयी ।

4. स्व0 श्री कमलाकान्त त्रिपाठी, लीडिंग फायरमैन, 882430966, जनपद–खीरी।

दिनांक 06.04.18 को समय 0441 बजे जनपद खीरी के थाना मैगलगंज क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम कुसुमी में पेड़ में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। इस पर प्रभारी फायर स्टेशन गोला,

कमलाकान्त त्रिपाठी

श्री कमलाकांत तिवारी लीडिंग फायरमैन ने फायर सर्विस यूनिट के साथ घटनास्थल पर पहुँचकर देखा कि बरगद के पेड़ में आग लगी थी। श्री कमलाकान्त तिवारी अदम्य साहस का परिचय देते हुए आग बुझाने की कोशिश करने लगे। उसी समय पेड़ की भारी शाखा गिरने के कारण श्री कमलाकांत तिवारी बुरी तरह से घायल हो गये। इन्हें तत्काल चिकित्सालय भेजा गया। जहां चिकित्सक द्वारा इन्हें मृत घोषित कर दिया गया ।

इस प्रकार श्री कमलाकान्त त्रिपाठी, लीडिंग फायरमैन द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दे दी गयी ।

Police Commemoration Day

October 21st, 2018

S.No.	Rank	Late S/Sri
		ANDHRA PRADESH
1	HC-2474	Y SATYANARAYANA
2	HC-2299	CH SOMARAJU
3	PC-2352	K NAGESWARA RAO
4	PC-1594	MD HANEEF
5	PC-1718	G RAJA GOPAL
6	ARPC-4491	G RAJESH
		A & N ISLANDS
7	CONST-17	SHYAM SUNDER SINGH
		ASSAM
8	SI (UB)	BHASKAR KALITA
9	CONST (AB)	ANIL CH DAS
		BIHAR
10	SI	RAM LAKHAN PRASAD
11	HAWALDAR	VIJAY CHOUDHARY
12	HAWALDAR	NASIMUDDIN KHAN
13	HAWALDAR	RAM IQBAL RAVIDAS
14	HAWALDAR	ANIL KUMAR
15	CONST-191	FARMAN ANSARI
16	CONST-329	MUNNA CHOUDHARY
17	CONST-197	AKASH KUMAR
18	SAP-1165	VISHWA MOHAN SHARMA
19	SAP-6014	DINESH KUMAR SINHA
		CHHATTISGARH
20	SI	MOOLCHAND KUNWAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
21	SI	VINOD SINGH KAUSHIK
22	HC-03	RAM KUMAR YADAV
23	HC-760	VIKRAM YADAV
24	CONST-173	POONEM PANKU
25	CONST-1361	MOHIT PATEL
26	CONST-335	SANTOSH YADAV
27	CONST-448	DEVNATH PUJARI
28	CONST-600	RAI SINGH MARKAM
29	CONST-1559	LAKHAN GATPALLI
30	CONST-687	ETTI ANAND RAO
31	CONST-642	LEKHA RAM BAGHEL
32	CONST-545	BHOJ SINGH TANDILYA
33	CONST-1160	GANESHWAR SINGH
34	CONST-186	TIKESHWAR KUMAR DHRUV
35	CONST-356	RAJESH SINGH
36	CONST-138	RAVINATH PATEL
37	CONST-127	ARJUN RAJBHAR
38	CONST(MT)-1167	LAVAN SINGH GAWADE
39	ASSTT. CONST-705	RAJU LEKAM
40	ASSTT. CONST-175	SITA RAM WAKADE
41	ASSTT. CONST-389	SONDHAR HEMLA
42	ASSTT. CONST-434	MADKAM HANDA
43	ASSTT. CONST-341	KADTI MUKESH
44	ASSTT. CONST-469	SALIK RAM SINHA
		DELHI
45	SI(EXE)-5359D	KHAZAN SINGH
46	ASI(EXE)-7113/DAP	ASHOK KUMAR
47	ASI(EXE)-1291D	DHARAMBIR SINGH

S.No.	Rank	Late S/Sri
48	ASI(EXE)-518/NW	GANESH DASS KARDAM
49	ASI(EXE)-2131/NE	OMPAL
50	ASI(SG)-512/T	MAHABIR SINGH
51	HC(SG)-2163/SE	ROHIT NAIB
52	HC(SG)-500/DAP	VINOD KUMAR
53	CONST-4863/T	YASHVIR SINGH
54	CONST-1662/SW	AMAR PAL
55	CONST(EXE)-4497/T	BEENESH KUMAR
56	CONST(EXE)-1515/SW	BHOOP SINGH
57	CONST(EXE)-2447/NW	VIRENDER SINGH MALIK
	GUJARAT	
58	ASI	PRAVIN LALCHAND CHAUDHARI
	HARYANA	
59	ESI-1230/KNL	NARINDER SINGH
60	EHC-1204/BWN	BHAGIRATH
	JAMMU & KASHMIR	
61	INSP-EXK003362	MOHD ASHRAF DAR
62	SI-ARP109264	IMRAN HUSSAIN TAK
63	ASI-ARP825685	IRSHAD AHMAD
64	HC-ARP875625	KRISHAN KUMAR
65	HC-EXK871864	HABIBULLAH LONE
66	HC-EXK911487	MUSHTAQ AHMAD AWAN
67	HC-EXK972550	ASHIQ HUSSAIN JAWAHAR
68	HC-EXJ945612	DESH BANDHU
69	HC-EXK921635	MOHD DILAWAR MIR
70	HC-EXK952631	HABIBULLAH LONE
71	SGCT-ARP015464	KULTAR SINGH

S.No.	Rank	Late S/Sri
72	SGCT-EXK022380	ZAHEER ABASS KHAN
73	SGCT-EXK002236	MUMTAZ AHMAD AWAN
74	SGCT-EXK002237	ABDUL HAMID GUJAR
75	SGCT-EXK127844	JAVID AHMAD DAR
76	SGCT-EXK981992	MOHAMMAD SHAMIM THOKER
77	SGCT-EXK971454	ABDUL SALAM KHAN
78	SGCT-EXK991802	GHULAM HASSAN WAGAY
79	SGCT-EXK001476	DEEPU THUSOO
80	SGCT-EXK012047	KHURSHID AHMAD TAK
81	SGCT-EXK984618	GHULAM RASOOL LONE
82	SGCT-EXK003401	FAYAZ AHMAD
83	SGCT-ARP005629	ROHIT KUMAR
84	SGCT-ARP901376	YUDISHTER SINGH
85	SGCT-ARP992522	TANVEER ABAS
86	SGCT-ARP973954	MOHD ALTAF
87	SGCT-EXJ975560	FARMAN ALI
88	SGCT-EXK085825	MOHAMMAD FAROOQ
89	SGCT-ARP976134	PERYEZ IQBAL
90	CONST-EXK119686	MUDASIR AHMAD BHAT
91	CONST-ARP066093	GHULAM NABI AHANGER
92	CONST-ARP106059	PARVAIZ AHMAD MIR
93	CONST-ARP106522	MOHAMMAD AMIN SHEIKH
94	CONST-ARP169184	TANVEER AHMAD MALIK
95	CONST-EXK117103	BABAR AHMAD KHAN
96	CONST-EXK127267	FAROOQ AHMAD ITOO
97	CONST-EXK111290	IMTIYAZ AHMAD MIR
98	CONST-EXK166077	SALEEM AHMAD SHAH
99	CONST-ARP098594	MUKHTAR AHMAD

S.No.	Rank	Late S/Sri
100	CONST-EXK185669	FAYAZ AHMAD SHAH
101	CONST-EXK165506	MOHD YAQOOB SHAH
102	CONST-EXK112376	JAVAID AHMAD BHAT
103	CONST-EXK127420	ISHFAQ AHMAD MIR
104	CONST-EXK127421	MOHD IQBAL MIR
105	FOLL-ARP135448	SURESH KUMAR
106	FOLL-EXK031314	MOHAMMAD LATEEF
	JHARKHAND	
107	ASI	BANUA ORAON
108	CONST-73	KRISHNA PRASAD NYOPANE
109	CONST-356	AJIT OREYA
110	CONST-749	PARMANAND CHAUDHARI
111	CONST-1217	KUNDAN KUMAR SINGH
112	CONST-2591	DEV KUMAR MAHTO
113	CONST-2602	AJAY KUJUR
	KARNATAKA	
114	DY SP	BALEGOWDA
115	PI	SHIVASWAMY
116	ARSI	RAMESH PARAMESHWAR NAYA
117	CHC 298	SOMASHEKAR K V
118	CHC 1345	PARASAPPA KASAPPA GAWARI
119	CHC 258	YASHWANTH KUMAR
120	AHC 118	V APPAJI
121	CHC 278	NAGARAJU A T
122	CHC 334	HANUMANTHA M
123	CHC 451	S MAHALINGAIAH
124	CHC 683	SUBHASH MALLANAGOUDA PATIL

S.No.	Rank	Late S/Sri
125	CHC 11857	S A RAVISHANKAR
126	CHC 13830	SIDDAPPA BAIRAVADAGI
127	WPC 1687	MANASA
128	WPC 1604	MRUDULA AHARYA
	KERALA	
129	SCPO(G) 6758	AJESH K V
130	CPO 6256	PRAVEEN P
131	CPO 6214	SATHEESH KUMAR
132	CPO 6791	SASI TS
133	CPO	VIPIN KUMAR M S
134	WCPO	SREEKALA B
	MADHYA PRADESH	
135	ASI	DEVCHAND NAGLE
136	ASI	AMRIT LAL BHILALA
137	HC-187	INDERPAL SINGH SENGAR
138	HC-126	ARVIND KUMAR SEN
139	CONST-104	RAJ BAHADUR YADAV
140	CONST	VIBHA DWIWEDI
141	CONST-90	KISHORE SHARMA
142	CONST-1045	BALMUKUND PRAJAPATI
	MAHARASTRA	
143	HC-23072	SUNIL DATTATRAY KADAM
144	HC-272	SURESH DAYARAM GAWDE
145	CONST-1589	SATISH SHARADRAO MADAVI
	MANIPUR	
146	HAVILDAR-15007008	SAMARJIT KONSAM
147	RFN-05976166	DOMINIC RONGMEI
148	RFN-05126981	KH BUNGO SINGH

S.No.	Rank	Late S/Sri
		MEGHALAYA
149	BNC/609	SAMIN HASSAN
		ODISHA
150	CONST-361	SANJAYA MAJHI
		RAJASTHAN
151	SI	PURAN MAL MEENA
		SIKKIM
152	CONST-112662	RINZING ONGMU BHUTIA
		TAMILNADU
153	INSP	TR S PERIYA PANDIAN
154	CONST-2477	TR S JEGATHEESH DURAI
		TELANGANA
155	PC-834/2765	R LAKPATHY
156	JC-8647	BOPPANALLY SUSHEEL
		TRIPURA
157	CONST-8739	SANTOSH SAHA
		UTTAR PRADESH
158	S.I.C.P. 980550335	SATISH KUMAR RAI
159	S.I.C.P. 783270268	MAHIPAL SINGH
160	S.I.A.P. 802801267	HARI PRAKASH SHARMA
161	S.I.C.P. 862640084	PRADEEP KUMAR SHARMA
162	S.I. 152024901	SATVEER SINGH
163	A.S.I.(M) 002700016	ASHOK KUMAR BHARTIYA
164	H.C. 880590181	JAGANNATH SINGH
165	H.C. 860630993	UDAI CHANDRA YADAV
166	H.C. 840730176	RAM KISHOR
167	H.C. 840690775	RAM VRIKCHHA SINGH
168	H.C.C.P. 830690121	DOODH NATH

S.No.	Rank	Late S/Sri
169	H.C.C.P. 792610308	SANTOSH KUMAR UPADHYAY
170	H.C.C.P. 862200118	DURGESH
171	H.C.(P)C.P. 812650891	ARUN KUMAR SHARMA
172	H.C.C.P. 832511053	PRADEEP KUMAR SHARMA
173	H.C.C.P. 822330864	KAMLESH CHANDRA
174	H.C.C.P. 782510445	BUDHHA SINGH
175	H.C. 962450048	SHYAM SINGH
176	H.C.C.P. 860930051	ASHOK KUMAR PATHAK
177	H.C.C.P 792241241	OM PRAKASH
178	H.C.(P) C.P. 177	KALYAN SINGH
179	H.C.C.P. 862660419	DHARMENDRA YADAV
180	H.C.C.P. 842480099	BRAMHADEV SHARMA
181	H.C. 820820404	CHUNNI LAL
182	LFM 882430966	KAMLA KANT TRIPATHI
183	CONST.972464826	VED PRAKASH
184	CONST. 952540164	JAMEEL AHMAD
185	CONST.C.P. 162351213	UMASHANKAR JAISWAL
186	CONST.942520357	CHANDRA BHUSHAN CHAUHAN
187	CONST. 892680016	NAGENDRA SINGH
188	CONST.932050047	RAM ACHAL
189	CONST.C.P.892381036	RAM BHAJAN
190	CONST. 062141459	YOGESH KUMAR
191	CONST.C.P. 062531157	RAVENDRA SINGH
192	CONST.C.P. 132120254	BRAJESH MISHRA
193	CONST.C.P.152141330	DEEPAK KUMAR
194	CONTS.C.P. 2612	PRADEEP KUMAR
195	CONST.C.P. 112538776	RAHUL KHOKHAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
196	CONST. 112642974	AYUSH KUMAR BHATT
197	CONST.980690286	RAKESH KUMAR SINGH
198	CONST.980450387	RAJEEV KUMAR
199	CONST.C.P.052430060	MANZOOR FARUQUI
200	CONST.C.P.912380519	BHANU PRATAP SINGH
201	CONST.C.P. 012671159	GAURAV TOMAR
202	CONST.C.P. 892290422	SUKHRAM YADAV
203	CONST.C.P. 892150177	HASMAT ALI
204	CONST. 062450494	DEEPAK KUMAR
205	CONST. 122650060	HIMANSHU KUMAR
206	CONST.112072458	ANKIT TOMAR
207	CONST.C.P. 062650410	GAURAV KUMAR
208	CONST.C.P. 112671756	AMIT DHAMA
209	CONST. 062660495	DEVENDRA SINGH
210	CONST. 062017770	SHIV BAHADUR SINGH
211	CONST.C.P. 972420295	SHIVRAJ SINGH
212	CONST. 220	NEERAJ KUMAR
213	CONST. C.P. 408	JAGDISH SINGH
214	CONST. 062242240	RAM KUMAR SINGH
215	CONST. C.P. 1022	MURARI SINGH
216	CONST.C.P. 062730437	NARENDRA KUMAR
217	CONST.C.P. 052012495	BIJENDRA SINGH
218	CONST.C.P. 980931080	SUBHASH CHANDRA
219	CONST.C.P. 112241621	JITENDRA KUMAR
220	CONST.112544948	DEEPAK KUMAR
221	CONST.C.P. 882290142	RAUDAS SINGH
222	CONST.C.P.162541508	VIPIN KUMAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
223	CONST.DRIVER 980670343	SHATRUGHAN KUMAR TRIPATHI
224	CONST.DRIVER	SHIV KUMAR MISHRA
	UTTARAKHAND	
225	CONST-4520	RAMESH LAL
226	CONST-75	SUBHASH KUMAR
	WEST BENGAL	
227	SI	AMITAVA MALIK
228	SI	ARUP KUMAR CHEL
229	SI/UB	RAMDAS KUMAR
230	SI/UB	MD MASUD
231	SI/UB	ANUPAM TALAPATRA
232	ASI-983	MAHESH CHANDRA BARMAN
233	ASI-287	DHANAPATI SAHA
234	ASI/AB-3088	SUKHENDU SARKAR
235	ASI/AB-78	HARIPADA ROY
236	CONST-589	SANJAY SAHA
237	CONST-20	MANIK CHANDRA DAS
238	CONST-1113	JOYDEB MONDAL
239	CONST-186	RAMNATH MAHATA
240	CONST-2556	ASHIM PRAMANIK
241	CONST-1343	MIR DALIM
242	CONST-358	NIRANJAN BISWAS
243	CONST-DRIVER	SAUMEN ACHARYA
244	JUNIOR CONST-207	BAPPA MANDAL
	ASSAM RIFLES	
245	G/213555KHAV/GD	FATEY SINGH NEGI
246	G/184806XRFN/GD	INDER SINGH
247	G/5013850XRFN/GD	SOHAN LAL

S.No.	Rank	Late S/Sri
248	G/5008469ARFN/GD	JAI PRAKASH ORAON
249	G/5022089MRFN/GD	RABINDRA NATH MODAK
250	G/154369NRFN/GD	ALOM HUSSAIN
251	G/5021444MRFN/GD	SACHIN KUMAR
252	G/3101952KRFN/GD	NINGTHOUJAM SUBHACHANDRA SINGH

BSF

253	ASSTT. COMDT-11113324	JITENDER SINGH
254	ASSTT. COMDT-41532737	GAJENDER SINGH
255	21C-19770949	DIPAK KUMAR MANDAL
256	SI/GD-123301756	RAJNEESH KUMAR
257	ASI/GD-886883005	KANWALJEET SINGH
258	ASIGD-871612379	BRAJ KISHORE YADAV
259	ASI/RM-090090314	KAMALJEET SINGH YADAV
260	ASI/GD-881235009	SURESH CHAND
261	ASI/GD-872545472	SAT NARAYAN YADAV
262	ASI/GD-881659324	RAM NIWAS
263	ASI/GD-870050466	CHAMAN LAL
264	ASI/GD-889442322	MAN SINGH
265	HC/GD-934557913	SUNIL KUMAR T K
266	HC/GD-971545278	CHANDER BHAN
267	HC/GD-901430052	RADHAPADA HAZRA
268	HC/GD-950098394	A SURESH
269	HC/GD-881231067	JAGPAL SINGH
270	HC/GD-880079390	RAJBIR SINGH
271	CONST/GD-143504139	SANTOSH LAXMAN GURAV
272	CONST/GD-143504388	VIJAYANAND NAIK
273	CONST/GD-170535038	BALJINDER SINGH

S.No.	Rank	Late S/Sri
274	CONST/GD-980079908	DEEWAN NATH
275	CONST/GD-021195075	RAMESHA NARAGONDA
276	CONST/GD-980025660	PRAMOD KUMAR AZAD
277	CONST/GD-130843445	SAURAV BOSE
278	CONST/GD-052542888	BRIJENDRA BAHADUR SINGH
279	CONST/GD-022544180	PUSHKAR SINGH
280	CONST/GD-120805206	TAPAN MONDAL
281	CONST/GD-021153608	MANOJ D
282	CONST/GD-131010099	SUNIL KUMAR MURMU
283	CONST/GD-120905384	SANJAY TIRKEY
284	CONST/GD-106331291	NINGOMBAN NINGTHOUBA
285	CONST/GD-112546919	DEVENDER SINGH
286	CONST/GD-102541881	BHAWANI SHANKAR
287	CONST/GD-115444588	HANS RAJ GURJAR
288	CONST/GD-124529890	VIJAY KUMAR PANDEY
289	CONST/GD-113767342	SITA RAM UPADHYAY
290	CONST/GD-121000765	AMRESH KUMAR
291	CONST/GD-000050874	MUKHTIAR SINGH
292	CONST/GD-120616639	LOKENDRA SINGH
293	CONST/DVR-016335886	HUKMA RAM SENWAR
294	CONST/DVR-012540051	MAHESH KUMAR
	CISF	
295	INSP/EXE-913230057	AMAR SINGH GURJAR
296	HC/GD-832310579	RAJ KISHOR PRASAD
297	HC/GD-884470782	NIKODIN LAKRA
298	HC/GD-853150264	KAMAL BORAH
299	CONST/GD-104850084	KIRAN KUMAR P
300	CONST/GD-113190090	MOHD IQBAL

S.No.	Rank	Late S/Sri
301	CONST/WCR-004480019	DEEPAK RANJAN PANI
302	CONST/GD-944524215	TARUN KUMAR RUIDAS
303	CONST/TM-150601582	MUKESH KUMAR RAM
	CRPF	
304	INSP/CRY-830748396	KULDIP ROY
305	SI/GD-075025916	RAJESH KUMAR BIND
306	ASI/GD-880985638	RAM KRISHAN SINGH TOMAR
307	ASI/GD-880898737	MISHRI LAL MEENA
308	ASI/GD-850868413	ANIL KUMAR MAURYA
309	HC/GD-941131607	K VENKANNA
310	HC/GD-920200102	MOHD TAFAIL
311	HC/GD-015011715	LAXMAN
312	CONST/GD-075054293	MANJUNATH S J
313	CONST/GD-065044856	PRADIP KUMAR PANDA
314	CONST/GD-065343211	SHARIEF-UD-DIN GANAIE
315	CONST/GD-155110491	RAJENDER KUMAR NAIN
316	CONST/GD-115313464	ASISH PATRA
317	CONST/GD-110047672	MD MUJHAHID KHAN
318	CONST/GD-025162449	MANOJ KUMAR SINGH
319	CONST/GD-035032397	AJAY KUMAR YADAV
320	CONST/GD-041731613	SOBIT KUMAR SHARMA
321	CONST/GD-041700593	JITENDER SINGH
322	CONST/GD-145048743	MANORANJAN LENKA
323	CONST/GD-115160302	MANDEEP KUMAR
324	CONST/GD-115135344	UTPAL RABHA
325	CONST/GD-115316642	NIRMAL GHOSH
326	CONST/GD-125084806	SANDEEP KUMAR YADAV

S.No.	Rank	Late S/Sri
327	CONST/GD-045050468	SHANKAR LAL BARALA
328	CONST/GD-063345963	NASEER AHMAD RATHER
329	CONST/DVR-035120856	DHARMENDRA YADAV
330	CONST/DVR-145050175	CHANDRA H S
	FS,CD AND HG	
331	FIREMAN	SUNIL KUMAR
332	FIREMAN	LILADHAR BAPURAOJI CHOPADE
333	FIREMAN	DHARMENDRA KUMAR YADAV
334	FIREMAN	KRISHAN KUMAR
335	FIREMAN	PRAMOD MAHADEORAO MESHRAM
336	FIREMAN	NAVJOT SINGH
337	FIREMAN	KULDEEP SINGH
338	FIREMAN	AMIT PUNIYA
339	FIREMAN	ARVIN KUMAR
340	FIREMAN	DHANRAJ PRABHAKAR MESHRAM
341	FIREMAN	SHEKHAR GANGADHAR BALASKAR
342	LEADING FIREMAN	HARI SING MEENA
343	LEADING FIREMAN	HARI OM
344	FIREMAN OPERATOR	MANJEET SINGH
345	FIREMAN DRIVER	PRABHUDAS MINJ
346	FIREMAN DRIVER	MADHORAM
347	LEADING FIREMAN DRIVER	RAMA SHANKAR TIWARI
348	FIRE ENGINE DRIVER	AMIT MAHADEORAO DANDEKAR
349	FIRE ENGINE DRIVER	AMOL VASANTRO YESANKAR
350	LEADING HAND FIRE	BALU PANDURANG PAKHRE

S.No.	Rank	Late S/Sri
	ITBP	
351	CMO (SG)-111105879	DR SURENDRA SINGH MAHAR
352	INSP/GD-858030156	RAMESH CHANDRA
353	INSP/GD-830040249	KAMLESH KUMAR
354	SI/CM 960240023	VIJENDER SINGH
355	SI/VET - 947021331	MANGAL SINGH
356	ASI/GD-890050711	YOG SHARMA
357	ASI/GD-897040567	MAHENDAR PAL BHARTI
358	ASI/GD - 890192355	CHANDI PRAKASH
359	ASI/GD-89194518	RAM NIWAS
360	ASI/GD- 870041263	PREM SINGH
361	ASI/GD- 080120334	VINOD KUMAR MEENA
362	HC/GD-020200557	GOSAI HAJONG
363	HC/GD-020140555	SANTANU MANDAL
364	HC/GD-920160039	PAWAN KUMAR
365	HC/GD-900090358	RAM NIWAS
366	HC/GD-907040327	TRIBHUWAN SINGH
367	HC/GD-950080817	ARUN KUMAR
368	HC/GD-900220866	SURENDER SINGH
369	HC/ESC-130380764	DHANJEE YADAV
370	HC/DVR-957020497	MANJIT SINGH
371	HC/DVR-927020535	KULDEEP SINGH
372	CONST/GD-130130339	ASHIM GHOSH
373	CONST/GD-0703232521	SANTOSH KAWAN
374	CONST/GD-150050438	JIGMAT CHHOSDAN
375	CONST/GD-120292231	DAMA RAM SIYOL
376	CONST/GD-070355242	NARAYAN DUTT SHARMA

S.No.	Rank	Late S/Sri
377	CONST/GD-130061632	RAKESH LAL
378	CONST/GD-090010568	ANIL RANA
379	CONST/GD-070301292	CH ROBI BABU SINGHA
380	CONST/GD-900201229	JITENDERA SINGH
381	CONST/GD-080400682	GOLA VANKTESSULU
382	CONST/GD-120302075	SUDHAKAR KUMAR
383	CONST/DVR-167024087	RAJU KUMAR
384	CONST/COOK-870145567	LAXMI PRASAD
	NCB	
385	CONST/GD-0125440200	YATENDER KUMAR
	NDRF	
386	HC/GD-931232312	UTPAL PUAL
387	CONST/GD-102541881	BHAWANI SINGH
388	CONST/GD-130982461	RAMMILAN CHAUHAN
	RPF	
389	ASST. COMDT.	MUKESH CHAND TYAGI
390	INSP	HEMANT LAL
391	INSP	AKHAND PRATAP SINGH
392	SI	BHUBNESHWAR PRASAD
393	SI	HARENDER SINGH
394	ASI	RAM PRASAD MEENA
395	ASI	KAMAL KUMAR TUDU
396	HC	VIVEKANANDA MISHRA
397	HC	VIJAY SINGH BHANDARI
398	HC	SHER SINGH
399	HC	D MANI
400	HC	ASHOK KUMAR SAHOO

S.No.	Rank	Late S/Sri
401	HC	RADHA RAMAN MEENA
402	CONST	SANAT KUMAR MISHRA
403	CONST	CHINTU KUMAR
404	CONST	ASHOK KUMAR
405	CONST	AMIT CHOUHAN
406	CONST	SAMEER ASHOK RAO UMATHE
407	CONST	SUNIL KUMAR
408	CONST	SUSHIL KUMAR
409	CONST	MANOJ KUMAR
410	CONST	N PRAMOD
411	CONST	P SAMBHA SIVA
412	CONST	MAHENDRA SINGH
413	CONST	NAMDEV BHAUSAHEB DAUND
		SSB
414	HC/GD-6088975	RAM PRAVESH YADAV

The Last Post - A True Story

Reportedly, it all began in 1862 during the American Civil War, when Union Army Captain Robert Ellicombe was with his men near Harrison's Landing in Virginia. The Confederate Army was on the other side of the narrow strip of land.

During the night, Captain Ellicombe heard the moans of a soldier who lay severely wounded on the field. Not knowing if it was a Union or Confederate soldier, the Captain decided to risk his life and bring the stricken man back for medical attention. Crawling on his stomach through the gunfire, the Captain reached the stricken soldier and began pulling him toward his encampment.

When the Captain finally reached his own lines, he discovered it was actually a Confederate soldier, but the soldier was dead.

The Captain lit a lantern and suddenly caught his breath and went numb with shock. In the dim light, he saw the face of the soldier. It was his own son. The boy had been studying music in the South when the war broke out. Without telling his father, the boy enlisted in the Confederate Army.

The following morning, heartbroken, the father asked permission of his superiors to give his son a full military burial, despite his enemy status. His request was only partially granted.

The Captain had asked if he could have a group of Army band members play a funeral dirge for his son at the funeral.

The request was turned down since the soldier was a Confederate.

But, out of respect for the father, they did say they could give him only one musician.

The Captain chose a bugler. He asked the bugler to play a series of musical notes he had found on a piece of paper in the pocket of the dead youth's uniform.

This wish was granted.

The haunting melody, we now know as 'The Last Post' used at military funerals was born.

Contributed by

Sri. S.N. Singh

ADG (Rtd)

'अन्तिम धुन' – वास्तविक कहानी

यह गाथा है सन् 1862 के अमेरिकी गृह युद्ध के समय की जब यूनियन आर्मी सेना के कप्तान राबर्ट इलिकोम्बे अपने साथियों के साथ वर्जीनिया के हैरीसन लैंडिग के निकट थे तथा सामने दूसरी तरफ थी कानफेडरेट आर्मी।

युद्ध क्षेत्र में रात्रि के समय कैप्टन इलिकोम्बे ने एक सैनिक के कराहने की आवाज सुनी जो बुरी तरह जख्मी था। यह जाने बिना कि घायल सैनिक यूनियन आर्मी का है अथवा कानफेडरेट आर्मी का, कैप्टन ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए घायल सैनिक के चिकित्सीय मदद का निर्णय लिया। गोलाबारी के बीच रेंगते हुए कैप्टन घायल सैनिक तक पहुंच कर उसे अपने कैम्प की तरफ लाने लगा।

जब कैप्टन अन्ततः अपने कैम्प की सीमा में पहुंचा तब पाया कि वास्तव में वह एक कानफेडरेट सैनिक था, परन्तु वह सैनिक मर चुका था।

कैप्टन ने एक लालटेन जलाई और उसकी मद्धिम रोशनी में उक्त सैनिक का चेहरा देखा तो सदमे से सन्न रह गया । वह उसका अपना ही पुत्र था ।

जब युद्ध शुरू हुआ तो वह लड़का 'साउथ' में संगीत का अध्ययन कर रहा था। अपने पिता को बिना बताये वह कानफेडरेट आर्मी में भर्ती हो गया था ।

अगले दिन सुबह शत्रु सेना के लिये शहीद अपने पुत्र के शव को पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ दफनाने के लिये अपने रूंधे हुए गले से वरिष्ठ अधिकारियों से कैप्टन ने अनुमति मांगी। उसके आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

कैप्टन ने अपने पुत्र के अन्तिम संस्कार के समय आर्मी बैण्ड समूह द्वारा शोक धुन बजाये जाने की अनुमति मांगी ।

कानफेडरेट आर्मी का सैनिक होने के कारण उसके आग्रह को अस्वीकार कर दिया गया। परन्तु पिता के सम्मान को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने बैण्ड के एक सदस्य को देने की अनुमति दी । कैप्टन ने एक 'बिगुलर' को चुना । कैप्टन ने मृत युवा सैनिक की वर्दी की जेब से मिले पत्र में लिखित संगीत श्रृंखला की धुन बजाने के लिये कहा । कैप्टन की यह इच्छा मान ली गयी ।

यह वही 'अन्तिम धुन' है जो आज भी शहीद सैनिकों के सम्मान में गुंजायमान होती है ।

The Last Post

Day is done
Gone the sun
From the lakes
From the hills

From the sky
All is well
Safely rest
God is nigh

Fading light
Dims the sight
And a star
Gems the sky
Gleaming bright
From afar
Drawing nigh
Falls the night

Thanks and praise
For our days
Neath the sun
Neath the stars
Neath the sky
As we go
This we know
God is nigh.

अन्तिम धुन

बीत गया दिन।
सूरज चला गया
झीलों से, पहाड़ों से,
और आसमान से।
सब कुछ है ठीकठाक
रहो आराम से
ईश्वर है पास ही।

धुंधलाती रोशनी से
मद्धिम हुई दीठ।
तब एक तारा, विराजा आसमान में
चमक बिखेरता हुआ
वो बहुत दूर से, खींचता हुआ पास।
गहरा रही रात।

शुक्रिया और साधुवाद–
दिन जो हमारे रहे
नीचे सूरज के
और सितारों के
और आसमान के।
जभी हम चलते हैं
जानते हैं इसे
ईश्वर है पास ही।

हिन्दी अनुवाद–श्री आनन्द सिंह
aanandksingh@gmail.com

शहीद के परिवार की अभिलाषा

शहीद की माँ ने कहा गर्व से मेरे बेटे ने,
मेरी कोख और दूध के मान को बढ़ाया है।
पिता बोले बेटे ने मस्तक मेरा ऊँचा किया,
अपराधी को मारने में भय नहीं खाया है।
बहना बोली 'अखिल' मेरी राखी हुई धन्य,
भाई ने माँ–बहनों की इज़्ज़त को बचाया है।
पत्नी बोली अमर है मेरी मांग का सिंदूर,
पति ने समाज रक्षा में शीश को चढ़ाया है।

शहीद की पत्नी ने कहा मैं विधवा कहाँ हूँ,
अमर मेरे पति हैं, सेज नित सजाऊँगी।
राष्ट्र की रक्षा में बहाया है उन्होंने जो रक्त,
उसी रक्त को माथे पर नित्य मैं लगाऊँगी।
'अखिल' मैं अपने बेटे और बेटियों को भी,
देश की सेना या पुलिस में भर्ती कराऊँगी।
जब तक प्राण रहेंगे मेरे तन मन में,
देश के तिरंगे को मैं सदा ऊँचा उठाऊँगी।

ललाट दीप्तिमान है शहीद के पिता श्री का,
बेटे का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा।
समाज में होगी उन्नति, रहेगी सुख–शान्ति,
भारत का परचम विश्व में लहराएगा।
'अखिल' सभी मिलकर करो प्रतिज्ञा आज,
जीवन भोग–विलास में बीतने न पाएगा।
जाति, धर्म या भाषा–प्रान्त में बँटना न कभी,
अन्यथा जीवन भर सदैव पछताएगा।

डॉ0 अखिलेश निगम 'अखिल'
आई0पी0एस0
पुलिस अधीक्षक,
उ0प्र0 सतर्कता अधिष्ठान,
लखनऊ।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले।
वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशाँ होगा।।